“छत्तीसगढ़ी लोकगाथा पंडवानी में नाट्य तत्व :एक अध्ययन ”

एम.फिल.प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं नाटक) उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध निदेशक

डॉ० ओम प्रकाश भारतीय

foHkkxk v/;{k%

प्रदर्शनकारी कला विभाग (फिल्म एवं थियेटर)

प्रस्तुतकर्ता

शिशु कुमार सिंह

पंजीयन सं. 2016/02/204/003

सत्र-2016-17

प्रदर्शनकारीकला विभाग (फिल्म एवं नाटक)

साहित्य विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट –हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा -442005 (महाराष्ट्र)

अनुक्रमणिका

अध्याय

भूमिका **1-4**

अध्याय १ - पंडवानी लोकगाथा की परिभाषा और विशेषता **5-24**

१. लोकगाथा

२. पंडवानी-नामकरण

३ .उद्भव और विकास,

४.. वर्गीकरण

अध्याय २ - पंडवानी लोकगाथा के शिल्प और स्वरुप **25-62**

१.प्रस्तुति शैली

2.संगीत/ वाध

३.संगीत/ वाध

४.वेशभूषा/रूप सज्जा

अध्याय ३. पंडवानी लोकगाथा में नाटकीय तत्व **63-96**

१. कथोपकथन

२.पात्र

३.अभिनय

४. रस

अध्याय ४ . पंडवानी शैली में नाट्य प्रयोग तथा सम्भावनाएँ| 96-115

१. पंडवानी शैली का रंगमंचीय प्रयोग

२.संभावनाएं

अध्याय ५. उपसंहार- 116-122

१. साक्षात्कार 123-153

२. आधार ग्रन्थ 154-157

३. छाया चित्र 158-160